



हनुमान चालीसा का आश्रय करो।
नियति या कर्म तो भोगना पड़ता है,
लेकिन संकट की मात्रा कम होगी।
मेरा हनुमान नियति तो क्या
प्राप्त्य भी मिटा सकता है,
तरस (प्यास) होनी चाहिये।

- मोरारी बापू। मानस सुन्दरकांड

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 266

इंडोर, गुजरात 06 अप्रैल, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

|| जै जै जै हनुमान गोसाईं ||
|| कृपा करहू गुरुदेव की नाई ||

हनुमान जन्मोत्सव

की हार्दिक शुभकामनाएं

- पुष्पोत्सव पुष्प -

DETECTIVE
GROUP
Detecting the truth

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

डिटेक्टिव ग्रुप
रिपोर्ट

www.dgr.co.in
www.detectivegroup.in
www.detectivegroupreport.com



वर्ष : 8 अंक : 266

इंडो어, गुजरात 06 अप्रैल, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए



सब सुख लहै तुम्हारी सरना तुम रक्षक काहू को डरना

शहरभर के मंदिरों में भव्य सजावट के बीच हनुमानजी के जन्मोत्सव का उल्लास

● **डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट**
इंडोेर: श्रीयम भवन हनुमान जी का जन्मोत्सव शहर के मंदिरों में विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जा रहा है। विशेष तौर पर हनुमान मंदिरों को सजाया गया है और उनमें आयोजन किया जा रहा है। गुजरात को सभी मंदिरों में सुंदर कांड पाठ और हनुमान स्तोत्रों के साथ महाबीर वज्रंग बलि के जन्मके गुंज रहे हैं। हनुमान चालीसा की- सब सुख लहै तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डर जा... पीठमर्त के साथ अष्टांग हनुमान जी और रामजी के जन्मके मंदिरों में लक्ष्मण, भगवान को मंडोली रखकर के दर्शन करा रहे हैं। साथ ही शहर भर में भजन संस्था और भंडारी भी होंगे। सुख सुभाग चौक स्थित हनुमान मंदिर में आरती को गै।

पंचकुंडीय रिवाज और बगोची में कुकराक को बाल ब्रह्मचर्य मण्डन-महासंग एवं पितामह चंडीजी को मौजूदगी में मंत्रों चार के बीच शरी अस्तीज्य संस्कार का 11 प्रकार के फलों के रस के साथ विभिन्न प्रकार की ओषधियों, दूध, दही, घी, शक्कर, चने व केसर से महाविशेष किया गया।

शाम 5 बजे महाआरती का भगवान को प्रणम भोग समर्पित किए जायें। 25 अक्षर के विभिन्न किस्मों के फलों से बरत संस्कार भी सजाया जाएगा और बगोची रिवाज कैलास मर्न (लौहभरत) में भंडारे का आयोजन भी



किया जा रहा है। भंडारे में 50 हजार से अधिक भक्त महासरादी प्रणम करेंगे।

राजगीत हनुमान मंदिर में दक्षिण भारतीय शैली में आजनेन कोट्टार

शहर के वर्षों पुरने राजगीत हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव की विशेष तैयारी को गै। राजगीत हनुमान मंदिर में दर्शनियों की भारी भीड़। यहाँ आरजेन कोट्टार सजाया गया है। यह दक्षिण भारतीय मंदिर का स्वरूप है।

दास बगोची में 20 हजार लोगों का भंडरा

पंचकुंडीय रिवाज श्रीयम हनुमान बगोची में 20 हजार लोगों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया है। सुख सुभाग दोहें

विद्यारी के समर्थन में गुजरात को अभिषेक पूजन के साथ जरी हनुमान जन्मोत्सव की शुरुआत हुई। सुबह सास हनुमान जी का विभिन्न प्रकार के फलों के रस से अभिषेक किया गया। शाम 6 बजे 56 भोग एवं महाआरती की जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे। श्रीयम हनुमान बगोची जब सितारम बाबा मूर्ति धार्मिक एवं सामाजिक न्यास ट्रेटर के कैलास कुसुमभर एवं सुनील कुमार ओझा के बारायत कि शाम 6 बजे दर्शन-पूजन व महाआरती को व्यवस्था के परचावट 7 बजे से भंडारे की शुरुआत होगी, जो अंतिम भक्त के आने तक निरंतर जारी रहेगा।

पितरेश्वर हनुमान को दाल-भाटी और चूरमे का महाभोग

शहर के विपुलवंत पर विवांजित निरेश्वर हनुमान के दरबार में हनुमान जी का उल्लास छाया। यहाँ भगवान के त्रिप दाल-भाटी और चूरमे का महाभोग लक्ष्मण जाया। इस अवसर पर अर्वाचित भंडारे में बड़ी संख्या में भक्त भाग लेंगे। स्वाद रस सांडक को भी भक्त भाग लेंगे। स्वाद रस सांडक कि चूरम भोग और विभिन्न ओषधियों से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद महाआरती होगी। भंडार शाम को होस।

जगह-जगह होंग हनुमान वालीसा का पाठ

वालसर हनुमान हरिरम बाबा मंदिर रामभरत में महाआरती और ध्यान भोग लेंगे। 4 घण्टे शर्मा के अनुत्तर, आरंभिक वेलत अंतिम वर अंतिम वेलत समई जायेंगे। सार्वजनिक बाल हनुमान मंदिर अर्वाचित नगर बाजार में हनुमान जन्मोत्सव पर सुख भूरी बल भुम्भ और 10 अक्षर रामया पाठ होगी। रस्मिती के श्राविक पेटल के अनुत्तर, अमले दिन 7 अक्षर को रात 8 बजे से भजन साध्य होगी।

राजगीत सलवार भक्त मंडल की ओर से भगत सिटी के पास रिवाज भोग पर सुखरुडस का पाठ और महासरादी विवाज शर 7 बजे से होगा। स्वाज संधीयिता से बारायत कि संधीयिता सुखरुडस होगा। बड़ा गणतंत्र प्रबोधि सरासत मठ पर पंचकुंडी विवाज हनुमान का पाठ 6 बजे विधि विधान से अभिषेक होगा 4 घण्टे शर्मा से बारायत कि इस अवसर पर अभिषेक कथ्य का विवाज होगी।

गीत भजन ट्रेटर की ओर से गीत भजन में गुजरात को सुख हनुमान मंदिर में भुम्भ और महाआरती की होगी। सलेश्वर सजग मंगल के अनुत्तर, महाआरती जगपुत्र

रामनेरशावरी के सलेश्वर में होगी।

बीरुवाचम परदेस गुंज पर सुख और शर हनुमानजी की आरती होगी। 4 घण्टे शर्मा से बारायत कि रात 8 बजे से सलेश्वर सुखरुडस का पाठ होगा।

दो रस्मिती हनुमान मंदिर सजगभार नगर में महासरादी का आयोजन होगा। इस अवसर पर शर 7 बजे सुखरुडस का पाठ भी किया जाएगा, रात ही दो रस्मिती का आरंभिक भुम्भ भी होगा।

मोक्षरुपी सुख सजग सुखी बंज इंदोर की ओर से हनुमान मंदिर गीत भजन पर सलेश्वर भोग लक्ष्मण का पाठ होगा।

मोक्षरुपी बला मंदिर नासा प्रखण सेरावा पर ठाठोमिठक और मुजल और पारत होगी। भजन शर 7 बजे महासरादी का आयोजन किया जाएगा।

दिसा नगर रत्न गज मंदिर के हनुमान मंदिर में सुख अभिषेक पूजन किया जाएगा। महाआरती होगी। ट्रेटर के भगत मोक्षरुपी और राठव नगर से बारायत कि शाम 7 बजे सुखरुडस का पाठ होगा।

संपादकीय

उलझा हुआ बयान

हाल में चीन ने भारत के सीमाई इलाकों में जिस तरह की हठकतें की हैं, उसे वह औपचारिक शक्ल देने की फिराक में है और दूसरे देशों को भी अपने प्रभाव में लेना चाहता है। शायद इसी संजाल की वजह से भूटान के प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में दोकलाम को लेकर एक उलझा हुआ बयान दिया था। उन्होंने भूटान के सीमावर्ती इलाकों में चीन की ओर से गांव बसाने के मसले पर भी कहा कि कोई अतिक्रमण नहीं हुआ। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और भूटान के बीच सदियों से मधुर संबंध रहे हैं और अच्छे पड़ोसी होने के नाते दोनों देशों में कई स्तर पर आपसी सहयोग पर आधारित तालमेल लंबे समय से कायम रहा है। लेकिन नई परिस्थितियों में दुनिया भर में बदलते समीकरण के दौर में ऐसे रिश्तों को मजबूती देने के लिए नए कार्यक्रमों पर जोर देना, उसमें स्पष्टता लाना समय की जरूरत होती है। इस लिहाज से देखें तो मंगलवार को नई दिल्ली में भूटान के राजा और भारत के प्रधानमंत्री की मुलाकात के दौरान आपसी संबंधों को टढ़ करने को लेकर जिस तरह नीतिगत स्तर पर बातचीत आगे बढ़ी, वह एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। खासतौर पर दोनों देशों के बीच सुरक्षा के मुद्दे पर तालमेल बढ़ाने पर जो सहमति बनी और पहले से ही धनिक संबंधों को विस्तार देने के मकसद से पांच सूत्रों पर आधारित डफ़टेरजा तैयार की गई, वह निश्चित रूप से भारत और भूटान के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। यों भी भारत में भूटान को लेकर अतीत में कभी कोई द्वंद्व नहीं रहा है। यह भारत का हमेशा ही करीबी सहयोगी रहा है। बल्कि पिछले कुछ सालों में द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों देशों के बीच काफी प्रगति हुई है। दरअसल, भारत में मौजूदा सरकार ने पड़ोसी प्रथम की नीति की तरजीह दिया है। इसी के तहत भारत एक परदमप सहयोगी पड़ोसी और जनदीकी मित्र के रूप में भूटान को महत्व देता रहा है। औपचारिक सद्भावनाओं और कार्यक्रमों के जरिए संबंधों में मजबूती को पुष्टि मिलती है। मगर भारत ने अपनी ओर से नीतिगत स्तर पर परदमप सहयोग आधारित नीति ही अपनाई है, जिसमें एक दूसरे की गरिमा को कायम रखना एक अहम पक्ष होता है।

धर्म-कर्म

हनुमान जयंती पर भूलकर भी न करें ये 7 गलतियां, अशुभ होंगे परिणाम



हनुमान जयंती का त्योहार आने वाला है। हनुमान जयंती चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाई जाती है। हनुमान जयंती बजरंगबली के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। इस बार यह त्योहार 6 अप्रैल दिन गुरुवार को मनाया जाएगा। हनुमान जयंती पर बजरंगबली की पूजा-अर्चना से जीवन में बड़े से बड़ा संकट दूर हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हनुमान जयंती के दिन कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए।

सूक्त काल में पूजा

हनुमान जी की पूजा कभी भी शुक्ल काल में नहीं करनी चाहिए। शुक्ल काल में किसी अन्न से 12 घंटे पहले लगान है, बल्कि घर में किसी भी मनुष्य को जने घर भी दूध बच्य होना है। किसी महिला को मनुष्य होने पर घर में 13 दिन के लिए शुद्ध काल तक जना है। इस अवधि में हनुमान जी की पूजा नहीं करनी है।

रित्रयों का रथारं

हनुमान जयंती के दिन रित्रयों को पूरे वा रथारं करने से बचना चाहिए। इस दिन रित्रयों के भी रथारं करने से परहेज करना है। जयंती के दिन हनुमान हनुमान रथारं रित्रयों के रथारं से बचने हैं। अगर कोई महिला घर के मंदिर में पूजा कर रही है तो उन्हें भी बजरंगबली की प्रार्थना का रथारं नहीं करना चाहिए।

नमक से परहेज

हनुमान जयंती के दिन अन्नको नमक के सेवन से परहेज करना चाहिए। इसके अलावा, अन्नको उन चीजों से भी परहेज करना चाहिए, जो इस दिन आगों दास में हो। हनुमान जयंती का अन्नको रखने वाली को दिन में नहीं खोलें चाहिए।

मांस भद्रिदा

हनुमान जयंती के दिन मांस भद्रिदा के सेवन से बचना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार मांस भद्रिदा पर अन्न खोले का अन्नको न करे।

चरणामृत से स्नान

बहुत कम लोग ये बात जानते होंगे कि हनुमान जी की पूजा में कभी चरणामृत का प्रयोग नहीं किया जाता है। हनुमान जयंती पर बजरंगबली को चरणामृत से स्नान करने से बचना चाहिए। उनकी पूजा में चरणामृत चढ़ाने का विधान नहीं है।

काले-सफेद वस्त्र न पहनें

बजरंगबली की पूजा करते समय भूलकर भी काले या सफेद रंग के वस्त्र पहान न करें। इसके

परिणाम बहुत ही अशुभ हो सकते हैं। हनुमान जी को पूजा केवल और केवल लाल रंग के वस्त्र पहनकर करनी चाहिए।

टूटी या खंडित प्रतिमा

हनुमान जयंती पर पूजा के लिए बजरंगबली की टूटी हुई या खंडित प्रतिमा का इस्तेमाल विचार्यल न करें। अगर आपके घर के मंदिर में बजरंगबली की रथारं कोई प्रतिमा है तो उसे फौरन हटा दें। बेहतर होगा कि ऐसी प्रतिमा को आप्त धन प्रवाहित कर दें।

कैसे पड़ा मारुति का नाम हनुमान? बेहद रोचक है ये किस्सा

भगवान शिव के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी का जन्मोत्सव चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। चैत्र पूर्णिमा 5 अप्रैल को सुबह 09:19 से 6 अप्रैल 2023 को सुबह 10:04 मिनिट तक रहेगी। पंचांग के अनुसार हनुमान जयंती 6 अप्रैल 2023 के दिन मनाई जाएगी। हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली के अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी के 108 नामों का जाप करने से भय, कष्ट, दरिद्रता दूर होते हैं। बजरंगबली का सबसे प्रसिद्ध नाम हनुमान है लेकिन क्या आप जानते हैं वानरराज कैसरी हनुमान अंजनी के पुत्र मारुति का नाम हनुमान कैसे पड़ा, इसके पीछे बेहद रोचक कहानी है आइए जानते हैं।

कैसे पड़ा मारुति का नाम हनुमान?

पौराणिक कथा के अनुसार हनुमान जी के बचपन का नाम मारुति है। मारुति बाल्यलन से ही बहुत दक्षिणादायी थे, बाल्यअध्याय में एक बार नींद से जागने पर मारुति को बहुत गुड लग्यो, उन्होंने पेंड पर जी आंसू में एक लाल रस छिड़ाया दिया, खुश मिटने के लिए मारुति को यह रस खाने को लग्योहा, उन्होंने उसे निगल लिया, इसके बाद पूरा संसार में अपेक्षे का गया, दरके अलसल मारुति को जो सुख फल लग्य रह्य था वो कहे और नहीं थालिक स्वयं सुखदेव थे।

फल समझकर सूर्य को निगल गए मारुति

सूर्य को निगले के बाद सूर्य अंधकार में डूब ग्यो, देवता से लेकर मानव सभी परेशान हो गए, तब सभी देवताओं ने मारुति से सूर्य को बचाकर उगलने को निगती को लेकिनि मारुति ने अपने बाल हठ में किसी की न सुनी, आखिर में विवश होकर भगवान इंद्र को अपना शपथ उतारना पड़ा, इंद्र वरों ने अपने व्रत से मारुति के हनु चूनी छोड़ी पर प्रसन्न किन्ता, विवशसे हनुमान जी का हनु दूर गया, इसके अलावा ही उनका नाम 'हनुमान' वह गया, हनुमान चालीसा में भी इस घटन का जिक्र किया गया है।

Highlights

- Hanuman Jayanti rally allowed within certain area in Jahangirpuri**
- Stones pelted at new Vande Bharat train in Andhra cause damage worth ₹1 lakh**
- Hindu temple defaced in Canada; police release video of two suspects**
- Woman carrying rifle enters Trump Tower; building locked down**
- Amazon to cut employee stock awards amid uncertain economy**
- Apple CEO Cook likely to visit India for 1st store launch: Report**
- ₹11,187 cr electronics production proposals passed till Mar: Govt**
- Lloyd was extrovert: Man whose brother died after brawl in B'loru**

TDS on salary? IT dept says employers should first ask...

NEW DEHLI, (Agency). The Income Tax Department on Wednesday said employers will have to seek details from employees about their preference for tax regime in the current fiscal and deduct TDS accordingly.

In case an employee does not intimate his/her employer about the preferred tax regime, then the employer would be required to deduct TDS from salary income as per the new revamped tax regime announced in Budget 2023-24. Individual taxpayers have the option to select whether they want to be in the old tax regime, which provides for exemptions and deductions or switch to the new tax regime which offers low tax rates but no exemptions.

The Budget 2023-24 unveiled on February 1 tweaked the optional exemp-



tion-free tax regime, which is available under section 115BAC of the I-T Act to push salaried-class taxpayers to switch to the new tax regime. The revamped concessional tax regime was made the default regime for an individual taxpayer. The Central Board of Direct Taxes (CBDT) on Wednesday issued a clarification about Tax Deducted at Source (TDS) deduction by employers in the current fiscal. "...a deductor, being an

employer, shall seek information from each of its employees...regarding their intended tax regime and each such employee shall intimate the same to the deductor, being his employer, regarding his intended tax regime for each year and upon intimation, the deductor shall compute his total income, and deduct tax at source thereon according to the option exercised," the CBDT said.

Forbes' billionaire list 2023: Elon Musk loses top spot to Bernard Arnault

NEW DEHLI, (Agency). Bernard Arnault, chairman of French luxury goods company LVMH, became the world's richest person, replacing Tesla boss Elon Musk, whose net worth slipped by about \$39 billion in the past year to \$180 billion, according to the Forbes' annual 'World's Billionaire's List 2023.

The French luxury goods tycoon estimated current net worth has increased by more than \$50 billion in the past year to \$211 billion. Arnault and Elon Musk frequently switch positions on Forbes' list of 'Real-Time Billionaires'.

According to Forbes, Musk's fortune has decreased since his \$44 billion purchase of



Twitter, which was financed with Tesla shares, concerning investors and causing Tesla stock to drop drastically last year. Tesla recovered a good portion of those losses this year but is still far lower than it was before Musk purchased Twitter.

Tesla shares have decreased by 50% since Elon Musk took control of Twitter a year ago, according to Forbes. According to the magazine, SpaceX is a success for Musk because its valuation climbed by \$13 billion to \$140 billion over the previous year.

